Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 27 फरवरी, 2021

गुरु रविदास जयंती

27 फरवरी, 2021 को संत गुरु रविदास की 644वीं जयंती मनाई गई। गुरु रविदास को रैदास और रोहिदास के नाम से भी जाना जाता है। गुरु रविदास 14वीं सदी के संत तथा उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन से संबंधित प्रमुख सुधारकों में से एक थे। हिंदू चंद्र कैलेंडर के अनुसार, माघ माह में पूर्णिमा के दिन रविदास जयंती मनाई जाती है। माना जाता है कि गुरु रविदास का जन्म वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में एक मोची परिवार में हुआ था। ईश्वर के प्रति उनकी आस्था और निष्पक्ष धार्मिक कविताओं के कारण उन्हें प्रमुखता मिली। उन्होंने अपना पूरा जीवन जाति व्यवस्था के उन्मूलन के लिये समर्पित कर दिया और ब्राह्मणवादी समाज की धारणा का खुले तौर पर विरोध किया। उनके भक्ति गीतों ने भक्ति आंदोलन पर त्वरित प्रभाव डाला और उनकी लगभग 41 कविताओं को सिखों के धार्मिक ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' में शामिल किया गया है, जिन्हें 5वें सिख गुरु अर्जुन देव द्वारा संकलित किया गया था। उन्होंने जन-जन तक यह संदेश प्रसारित किया कि 'ईश्वर ने मनुष्य को बनाया है, न कि मनुष्य ने ईश्वर को बनाया है', इसका अर्थ है कि प्रत्येक मनुष्य के जन्म का कारण ईश्वर है और इसलिये पृथ्वी पर सभी एक समान हैं, अतः किसी भी व्यक्ति के साथ जन्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिये।

चंद्रशेखर आज़ाद

27 फरवरी, 2021 को भारतीय क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद की 90वीं पुण्यतिथि मनाई गई। चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को मध्य प्रदेश के वर्तमान अलीराजपुर ज़िले के भाभरा गाँव में हुआ था। अपनी वीरता और निःस्वार्थता के लिये प्रसिद्ध चंद्रशेखर आज़ाद बहुत कम उम्र में ही भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल हो गए। जब उन्होंने वर्ष 1921 में गांधीजी के असहयोग आंदोलन में हिस्सा लिया उस समय वे मात्र 14 वर्ष के थे। उनके सर्वोच्च नेतृत्व कौशल एवं संगठनात्मक क्षमता ने उन्हें 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' (HRA) को 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' (HRSA) के रूप में पुनर्गठित करने और उसे मज़बूत बनाने में मदद की। असहयोग आंदोलन की वापसी के बाद चंद्रशेखर आज़ाद क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल हो गए और फिर उन्होंने राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में 9 अगस्त, 1925 को काकोरी घटना को अंजाम दिया, जिसके बाद वे पुलिस के चंगुल से बच निकलने में कामयाब हो गए। चंद्रशेखर आज़ाद ने 27 फरवरी, 1931 को इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) के अल्फ्रेड पार्क में अंग्रेज़ अफसरों से मुठभेड़ के दौरान स्वयं को गोली मार ली। वर्तमान में अल्फ्रेड पार्क को चंद्रशेखर आज़ाद पार्क के नाम से जाना जाता है।

सरस आजीविका मेला-2021

हाल ही में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण द्वारा नोएडा (उत्तर प्रदेश) में सरस आजीविका मेला-2021 का उद्घाटन किया गया। सरस आजीविका मेला-2021 का आयोजन 26 फरवरी से 14 मार्च 2021 के बीच ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। इस मेले में 27 राज्यों से 300 से अधिक स्वयं सहायता समूह और हस्तशिल्पी भाग ले रहे हैं। इस मेले में लगभग 150 स्टॉल और 15 खानपान के स्टॉल लगाए गए हैं तथा 60 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस मेले के दौरान उत्पादों की पैकेजिंग, डिज़ाइन, संचार संबंधी कौशल, सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार और 'बिज़नेस-टू-बिज़नेस' (B2B) विपणन संबंधी प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों और हस्तशिल्पियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस मेले का उद्देश्य इसमें शामिल विक्रेताओं को बड़ी संख्या में लोगों के समक्ष अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है।

यूसुफ पठान

हाल ही में भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर यूसुफ पठान ने अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की है। दाएँ हाथ के बल्लेबाज यूसुफ पठान ने अपने क्रिकेट कॅरियर की शुरुआत 2007 में ट्वेंटी-ट्वेंटी विश्व कप टूर्नामेंट से की। उन्होंने अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच सितंबर 2007 में पाकिस्तान के विरुद्ध खेला। यूसुफ पठान ने 22 T20 मैचों में कुल 236 रन बनाए और 13 विकेट भी लिये। यूसुफ पठान वर्ष 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने भारत के लिये 57 एक-दिवसीय मैचों में 810 रन भी बनाए और कुल 33 विकेट प्राप्त किये। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में यूसुफ पठान ने अपना अंतिम मैच मार्च 2012 में खेला था। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में यूसुफ पठान की मौजूदगी में राजस्थान रॉयल्स ने वर्ष 2008 और कोलकाता नाइटराइडर्स ने वर्ष 2012 तथा वर्ष 2014 में IPL का खिताब जीता था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-27-february-2021